

सुन्दर कहलाते | By Neelkant Modi

सुन्दर कहलाते जो इस जग के नज़ारे हैं
तेरी चुनरी में हे माँ वो चाँद सितारे हैं
सुन्दर कहलाते जो

पूरब में सूरज की लाली जब छाती है
लगता चुनरी ओढ़े तू धरती पे आती है
तेरी ही आभा के ये सारे उजारे हैं
सुन्दर कहलाते जो

चमकीले ये मानिया फीकी पड़ जाती हैं
भाव से भरी चुनरी में जब सज जाती हैं
तारों के लटकन से झड़े इसके किनारे हैं
सुन्दर कहलाते जो

जब मन तेरे दर्शन को मैया ललचाता है
चुनरी के रंग में ही चंदा रंग जाता है
आजा ओढ़न को माँ आकाश पुकारे है
सुन्दर कहलाते जो

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a5%87-by-neelkant-modi/>